जून 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

“प्रिय अन्तर्वासना पाठको, जून 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं… …”

Story By: guruji (guruji)
Posted: Sunday, July 21st, 2019
Categories: सबसे लोक़प्रिय कहानियाँ
Online version: जून 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जून 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको
जून 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं…

सहेली के ससुर से चुद गई मैं-

फ्रेंड्स, मेरा नाम अनिषा है. मेरी पिछली सेक्स कहानी
मामी ने अंकल को सेक्स के लिए बुलाया
आप सबको बहुत पसंद भी आई थी, जिसको लेकर मुझे बहुत से ईमेल भी मिले थे. मैं किसी को ज़्यादा जवाब नहीं दे पाई, इसलिए आपसे माफी चाहूँगी.

मैं एक छोटे से गांव की हूँ. ससुराल वालों की खेती है, पर सभी लोग शहर में रहते हैं. कभी कभी हमारे परिवार के लोग अपने गांव में आते हैं. खेती का कुछ काम होता है. गांव की भी एक सेक्स कहानी है, उसे मैं आपको बाद में बताऊंगी.

वैसे तो मेरा फिगर साइज़ आपको पहले भी मैं बता चुकी हूँ. नए दोस्तों के लिए मैं अपने 34-28-36 के फिगर को फिर से बता रही हूँ. मैं देखने में बहुत खूबसूरत हूँ.

शादी के कुछ दिनों बाद ही हम लोगों ने शहर में ही एक किराये का अलग मकान लिया. हमारे घर में कुछ दिक्कत चल रही थी. उधर जगह कम थी, इस

वजह से भी दूसरा घर लेना पड़ा. इस नए घर से मेरे पति को ऑफिस जाने आने में जरा नज़दीक भी पड़ता था. मेरे पति काम से ज़्यादा बाहर ही रहते थे.

इस नए घर में जाने के कुछ दिन बाद मेरी मुलाकात मेरे बाजू में रहने वाली पड़ोसन वनिता से हुई. कुछ ही दिनों में हम दोनों अच्छे दोस्त भी बन गए.

मेरे घर में मैं और मेरे पति ही रहते थे. वनिता के घर में उसके पति और ससुर के अलावा एक लड़का भी था. वनिता की सास अब इस दुनिया में नहीं थीं.

वनिता की उम्र 26 साल की है और उसकी फिगर भी मेरे जैसे ही 34-26-36 की है. उसका वजन 54 किलोग्राम के लगभग होगा व हाइट 5 फिट 3 इंच की है. वो देखने में खूबसूरत थी.

दोपहर में हम घर में ही रहते थे, तो वनिता मेरे घर आ जाती थी या मैं उसके घर चली जाती थी. हम दोनों धीरे धीरे खुल कर बातें करने लगे. हमारी बातों में सेक्स का रंग जमने लगा था. चुदाई के बारे में हम दोनों आपस में बड़े खुल कर चर्चा करती थीं. शादी से पहले क्या हुआ और शादी के बाद भी किसका किससे चक्कर रहा. आस पास के इलाके में कौन सी लड़की का किसके साथ चक्कर चल रहा है … वगैरह वगैरह.

फिर वनिता के ससुर जी से भी मुलाकात हुई. उसने मेरी थोड़ी बहुत बातें होती रहती थीं. जैसे वो पूछते कि कैसी हो, खाना खाया या नहीं … वगैरह.

फिर वनिता के ससुर राजेन्द्र कुमार से मेरे पति की पहचान भी अच्छे हो गई. राजेन्द्र कुमार भी मेरे घर आने लगे. ख़ास बात यह कि वनिता के ससुर राजेन्द्र बहुत हंसमुख इंसान थे. वे हमेशा मजाक के मूड में ही रहते थे. अपने इसी

स्वभाव के चलते वो मेरे साथ और मेरे पति के साथ भी मजाक करने लगे.

एक दिन मैं घर में थी और वनिता कुछ काम से बाहर गई हुई थी. उसके ससुर राजेन्द्र कुमार जी बाहर गए हुए थे. तो उसके घर की चाभी मेरे पास थी.

वनिता के ससुर राजेन्द्र कुमार करीब 12:30 बजे मेरे घर पर आए. उन्होंने दरवाजे की बेल बजाई, मैं उस वक्त कपड़े धो रही थी. मेरी सलवार आधी गीली थी. तब मैंने बिना ओढ़नी के ही जल्दी से जाकर दरवाजा खोल दिया.

सामने राजेन्द्र कुमार थे. वे मुस्कुरा कर मेरे घर में अन्दर आ गए.
उन्होंने पूछा- क्या कर रही थी अनु ?
मैं बोली- जी कपड़े धो रही थी. आप बैठें, मैं अभी आती हूँ.

मुझे ख्याल ही नहीं था कि वो मेरे मम्मों को देख रहे हैं. मैं कपड़े साफ़ करने लगी और बातें भी करने लगी.
तभी मेरा ख्याल गया कि वो मेरे मम्मों को हिलते हुए देख रहे हैं.
तब तक मेरा काम हो गया था, तो मैं हाथ साफ करके उनको पानी देने लगी.

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये …

मेरी सेक्स स्टोरी से हुई मेरी फजीहत

दोस्तो, मैं आपकी प्यारी सी दोस्त प्रीति शर्मा। मेरी पिछली कहानी
मेरे पति का दोस्त मेरा दीवाना

कई महीने पहले हमारी प्यारी सी साईट अन्तर्वासना पर प्रकाशित हुई थी.

आज मैं आपके सामने अपना बिल्कुल नया अनुभव लेकर आई हूँ। अभी जब मैं ये कहानी लिख रही थी, तब भी मेरे हाथ जैसे काँप रहे थे। एक अजब सा रोमांच, एक अजब सी सनसनी मेरे सारे बदन में दौड़ रही है। तो लीजिये पढ़िये मेरी आप बीती।

एक दिन मैं वैसे ही खाली बैठी थी, तो सोचा क्या करूँ, पहले तो मैंने अन्तर्वासना पर सेक्सी कहानियाँ पढ़ी, एक दो गर्मागर्म कहानियाँ पढ़ कर मेरी तो चूत खड़ी हो गई।

अब आप कहोगे, यार क्या बकवास कर रही है, लुल्ली खड़ी होती है, लंड खड़ा होता है, साली चूत कैसे खड़ी हो सकती है। मेरी बात को ध्यान से सुनो, जब ये कहानी पूरी पढ़ लोगे, तो आप भी जान जाओगे के चूत भी खड़ी होती है। सबकी नहीं पर कोई कोई औरत ऐसी भी होती है, जिसकी चूत खड़ी होती है, मैंने देखी है, इसलिये आप से कह रही हूँ।

तो एक दो कहानियाँ पढ़ने के बाद जब मेरी चड्डी तक मेरी फुद्दी के पानी से गीली हो गई, तो मैं उठ कर किचन में गई, वहाँ मैंने फ्रिज खोला और अंदर कुछ ढूंढने लगी, तभी मुझे एक खीरा दिखा, मैंने वो खीरा उठाया और बाथरूम में चली गई। वहाँ जाकर मैंने अपने सारे कपड़े उतारे और फिर एक टांग कामोड पर रख कर मैंने वो खीरा अपनी फुद्दी में ले लिया.

खीरा ठंडा था तो अंदर तक मेरी फुद्दी को उसने सुन्न कर दिया. मगर मैं तो पूरी गर्म थी, मैं सामने बड़े सारे शीशे में अपने नंगे बदन को देख देख कर अपनी फुद्दी में खीरा करने लगी। मेरी रफ्तार और मज़ा दोनों बढ़ने लगे. और

फिर तो तभी पता चला जब सफ़ेद रंग के पानी की धारें मेरी फुद्दी से चू गई और मेरी गुदाज़ चिकनी जांघों से होती हुई, मेरे पाँव तक जा पहुंची।

पानी झड़ने के बाद भी मैं कुछ देर वैसे ही खीरा अपनी फुद्दी में लिए खड़ी रही। पानी गिरने के कुछ देर बाद जब मेरी फुद्दी पूरी तरह ठंडी हो गई, तो मैं पहले नहाई और फिर नए कपड़े पहन कर बाहर आई।

जब मैं वापिस हाल में आई तो देखा, मेरे पति दीपक, हाल में मेरा लैपटाप लिए बैठे हैं। मुझे देखते ही उनका चेहरे गुस्से से लाल हो गया। अपना लैपटाप उनके हाथ में देख मेरी तो गांड फट गई कि यार इनको तो मेरे सब कारनामे पता चल गए।

मैं कुछ कहती, इससे पहले ही वो बिफर पड़े- कब से चल रहा है ये सब, हरामज़ादी ?

बेशक दीपक मुझ पर आज तक कभी गुस्सा नहीं हुये, पर आज पहली बार उनका गुस्सा देख कर मैं तो बहुत डर गई। मैं क्या जवाब देती।

वो फिर गरजे- और ये वरिंदर सिंह कौन है जो तेरे लिए कहानियाँ लिखता है। क्या इससे भी अपनी माँ चुदवाई है तूने ?
मेरी तो आँखों से आँसू निकल पड़े।
रुँधे गले से मैंने कहा- प्लीज़ आप मेरी बात सुनिए, मेरा किसी से कोई चक्कर नहीं है, ये सिर्फ मेरे लिए कहानियाँ ही लिखते हैं, मैं आज तक इनसे ये किसी से भी नहीं मिली, न कभी बात की। सिर्फ हैंगआऊटस पर ही चैट करते हैं।

उन्होने मेरा लैपटाप सोफ़े पर फेंका और उठ कर मेरे पास आए- सच सच बता

कमीनी, मेरे पीछे से अपने किस किस यार के साथ रंगरलियाँ मनाती रही है ? अगर सच नहीं बताया, तो तेरी मैं वो फजीहत करूंगा के तू सारी उम्र याद रखेगी।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये …

मेरे जन्मदिन पर मेरे यार ने दिया दर्द

हर्षिल के यहाँ से आए हुए हमें एक हफ्ते से ज्यादा हो गया था और मैं और तन्वी अपनी कॉलेज लाइफ में व्यस्त हो गए थे। पढ़ाई का दबाव काफी बढ़ गया था और इधर उधर की बातों में पढ़ाई से ध्यान भी भटक गया था।
अगले महीने मेरा जन्मदिन आने वाला था, तो तन्वी ने पूछा- इस बार जन्मदिन पे क्या प्लान कर रही है, कहाँ पार्टी दे रही है ?
मैंने कहा- यार कैसी पार्टी, पढ़ाई करनी है वरना इस बार तो फ़ेल हो जाऊँगी पक्का। बर्थडे तो हर साल आता है, फिर कभी मना लेंगे।

मेरा ज्यादातर वक्त करन के साथ फोन पे बात करते हुए बीतता था, हम हमेशा या तो फोन पे या चैट पे लगे रहते थे। जिन पाठकों ने मेरी पिछली कहानी
भाई की शादी में सुहागरात मनाई
नहीं पढ़ी, मैं उन सबको करन के बारे में थोड़ा सा बता दूँ।

मैं और करन मेरे मामा के लड़के की शादी में मिले थे, करन लड़की वालों की तरफ से था और जॉब करता था। वो दिखने में बहुत क्यूट और हैंडसम है। मैं

भी बहुत क्यूट और मासूम सी दिखती हूँ तो तन्वी हम दोनों को क्यूट कपल कह के बुलाती थी। तभी से हम दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे थे।

अब प्यार सच्चा था या नहीं ये तो नहीं कह सकते … पर हम दोनों को एक दूसरे से बात करना बहुत पसंद था, हम लगभग हर बात शेयर करते थे। बस मैंने उसे हर्षिल वाली बात का नहीं बताया था, नहीं तो उसका दिल टूट जाता।

मेरे जन्मदिन पर वो दिल्ली आने वाला था। मैं उससे अब तक सिर्फ शादी में ही मिली थी एक बार, और उतने में ही हमारे बीच वो सब हो गया था।

धीरे धीरे वक़्त बीतता गया और अगला महीना भी आ गया, मेरा जन्मदिन दो दिन बाद ही था, करन भी दिल्ली आ चुका था और अपने किसी रिश्तेदार के यहाँ रुका हुआ था। मुझे उसका फोन आया तो उसने बताया- बेबी, मैं दिल्ली आ गया हूँ, चलो मिलते हैं कल।
मैंने उसे ऐसे ही तड़पाने के लिए कहा- नहीं बाबू, अभी नहीं, पेपर आने वाले हैं, परसों ही मिल लेंगे थोड़ी देर के लिए।
उसने कहा- प्लीज यार … मैं इतनी दूर से सिर्फ तुम्हारे लिए आया हूँ, चलो कल मिलते हैं।

मैंने कहा- नहीं यार, समझा करो, अगर कल बाहर निकली हॉस्टल से तो परसों की परमिशन नहीं मिल पाएगी, रोज़ रोज़ बाहर नहीं जाने देती हॉस्टल की वार्डन, इस बार जन्मदिन मैं तुम्हारे साथ मनाना चाहती हूँ।
करन बोला- अच्छा ठीक है, हॉस्टल के गेट के बाहर तो मिलने आ सकती हो 10 मिनट के लिए ?
मैंने कहा- हाँ, वो कर सकती हूँ।

अगले दिन शाम को करन का फोन आया तो मैं और तन्वी उससे मिलने हॉस्टल के बाहर चले गए। करन अपने रिश्तेदार की गाड़ी लेकर आया था और मेन गेट से थोड़ी दूर पे इंतज़ार कर रहा था। तकरीबन 2 महीने बाद हम एक दूसरे को आमने सामने देख रहे थे.

मैं उसे देख के भाग कर उससे लिपट गयी और गले लगा लिया ज़ोर से। हम ऐसे ही 30-40 सेकंड तक गले गले रहे.
तन्वी बोली- मैं भी हूँ करन, मैं और सुहानी साथ ही आए है, तुम लोग तो मुझे भूल ही गए शायद ?
मैं शर्मा के मुस्कुराने लगी और नीचे देखने लगी।

करन भी मुस्कुरा दिया और बोला- बिलकुल तन्वी जी, आप का तो बहुत बड़ा हाथ है हमें मिलाने में।
फिर करन और तन्वी भी गले मिले और हम वहीं खड़े खड़े इधर उधर की बातें करने लगे।

हमें बात करते करते कब आधा घंटा हो गया पता ही नहीं चला, सूरज ढलने लगा था और दूर बादलों में डूबता हुआ दिखाई दे रहा था।
तन्वी ने कहा- चल अब चलते हैं वरना वार्डन कल बर्थडे पे कहीं नहीं जाने देगी।

मैं करन से दूर नहीं जाना चाहती थी पर कोई और चारा नहीं था, मैंने करन से कहा- मुझे जाना होगा।
करन ने कहा- चलो कोई नहीं, कल मिलेंगे, अपना ख्याल रखना।
मैं ज़ोर से करन के गले लग गयी और फिर अलग होकर बोली- चल तन्वी।
करन बोला- बस सिर्फ गले ? एक गुडबाइ किस तो दो।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये …

वासना के वशीभूत पति से बेवफाई

कॉलेज खत्म होते ही पापा ने मेरी शादी कराने की सोची, मुझे कुछ बोलने का मौका भी नहीं मिला। मुझे एक लड़का देखने आया, नितिन मुझे भी पसंद आया। बैंक ऑफीसर नितिन दिखने में हैंडसम था और बातें भी मीठी मीठी करता था। उसका पास के ही शहर में अपना घर था, उसके माँ और पापा गांव में खेती करते थे।

खुराना अंकल के साथ की मस्ती मैं मिस करने वाली थी पर वो मजा मुझे हक से मिलने वाला था. वैसे भी अंकल और मेरे सम्बन्ध नाजायज ही थे, अगर कभी किसी को पता चलता तो मुँह दिखाने के काबिल नहीं रहती।

दो महीने के बाद मेरी शादी की तारीख निकली, अंकल बहुत उदास हो गए थे। पर मैंने उनको अलग तरीके से मनाया, इंगेजमेंट के दिन ‘तबियत खराब है’ बोलकर घर से निकली और सब लोग घर आने तक अंकल और हमने इंगेजमेंट की साड़ी में एक राउंड किया।

सुहागरात को मैं जानबूझकर चिल्ला रही थी, पैर पर ब्लेड से काट कर बेड पर खून भी लगाया, पैरों पर लगी लाल मेहंदी से नितिन को कुछ भी शक नहीं हुआ।

धीरे धीरे मैं अपने घर के काम में व्यस्त हो गई, सास ससुर बीच बीच में पोते पोती के लिए दबाव डालते पर मेरी उम्र बाईस साल और नितिन की उम्र

पच्चीस साल तो हमें कोई जल्दी नहीं थी। हमारी शादीशुदा जिन्दगी और सेक्स लाइफ भी मजे से चल रही थी।

दीवाली के वक्त मैं आपने पति के साथ मायके गयी थी तब पता चला कि खुराना अंकल की ट्रांसफर किसी और शहर हो गयी है। अब मैं रिलैक्स हो गयी, वह चैप्टर मेरे लिए हमेशा के लिए बंद हो गया था।

मैं सुबह जल्दी उठ जाती, नितिन को टिफिन बनाकर देती। नितिन के आफिस जाने के बाद घर के काम खत्म करती, फिटनेस के लिए कुछ एक्सरसाइज और योगा करती, बाकी के टाइम आराम करती और फिर रात के खाने की तैयारी करती।
आराम का सीधा परिणाम मेरी फिगर पर हुआ पर योगा और एक्सरसाइज की वजह से मैं और सेक्सी दिखने लगी।

घर पर हम दोनों ही थे इसलिये आते जाते शरारत करना, एक दूसरे को किस करना, नाजुक अंगों को सहलाना या फिर चूमा चाटी करना शुरू ही रहता. पर नितिन थोड़ा शर्मीला था और कम पहल करता। नितिन मुझे लोगों के बीच छूता भी नहीं था. पर जब हम बेडरूम में होते थे तब वो मुझे संतुष्ट करने की हर मुमकिन कोशिश करता।

नितिन का सेक्स हमेशा सिंपल और शांत ही रहता और कभी कभी बोरिंग भी हो जाता, मैं उसे बताकर ठेस नहीं पहुँचाना चाहती थी और ना ही उसे धोखा देना चाहती थी। मुझे कभी कभी खुराना अंकल की याद सताती, उनका वह जंगली सेक्स याद आता तो चुत पानी छोड़ने लगती, फिर उस रात में ही पहल कर के नितिन को उकसाती और हमारे सेक्स को मजेदार बनाती।

एक दिन नितिन को आफिस के दूसरे ब्रांच में ट्रेनिंग के लिए तीन दिन के लिए जाना था. जाने से एक दिन पहले ही मेरे पीरियड्स शुरू हुए इसलिए हमारे हैप्पी जर्नी वाला सेक्स नहीं हो पाया। नितिन वापिस आया तब मेरे पीरियड्स खत्म हो गए थे पर वह बहुत थका हुआ था इसलिए जल्दी सो गया।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये …

पचास साल का कड़क लंड

मैं आनंद मेहता पचास साल का हूँ। मैं यह चोदन कहानी आप प्रिय पाठकों के लिए लिख रहा हूँ। आशा है कि आप इसे पढ़कर मजे लेंगे।

मैं एक किराये के घर में रहता हूँ। मेरे ऊपर वाले घर में मकानमालिक का परिवार रहता है, जिसमें एक खूबसूरत शादीशुदा लड़की अपनी 5 साल की बेटी के साथ रहती है। उसका लगभग 30 साल का पति दूसरे जिले में 10+2 विद्यालय के शिक्षक के रूप में कार्यरत है, इसलिए सिर्फ छुट्टियों में ही घर पर आता है।

इस नए घर में आये हुए अभी मुझे एक महीना ही हुआ था कि मुझे मकानमालकिन का असली रूप देखने को मिल गया।

एक दिन मैं अपने घर का किराया देने ऊपर वाले घर में जा रहा था। दरवाजे के पास पहुंचा तो बहुत धीमी-धीमी कूखने और कराहने की आवाजें आ रही थीं। मैं तो पचास साल का अनुभवी आदमी हूँ। इन आवाजों को सुनकर मुझे अपनी पत्नी के साथ मनायी सुहागरात की याद आ गयी। उस दिन मैंने अपनी 26

साल की पूरी ताकत लगाकर नई-नवेली पत्नी को चोदा था। चार दिनों तक तो वह लंगड़ाकर चली थी।
उस दिन के बारे में जब भी सोचता हूँ तो पूरे शरीर में कामुक कम्पन होने लगता है।

मैं इन यादों से तब बाहर निकला जब मेरे हाथों में रखे 5000 रुपये के नोट गिरे।
मुझे लगने लगा कि मकानमालकिन जरूर किसी से सेक्स कर रही है.

फिर भी मेरा दिल इसको नहीं मान रहा था, उसका पति तो बाहर दूसरे जिले में है, तो फिर अंदर कौन है ?

मैंने बालकोनी की तरफ की खिड़की को धीरे से थोड़ा घसकाया।
हे भगवान ! ये क्या चल रहा है ? दो बलिष्ठ आदमी मकान मालकिन के साथ मजे कर रहे थे। वह बिस्तर पर लेटी हुई थी और बार-बार सिसकारियां भर रही थी. ऊपर से एक मोटा आदमी अपने बड़े से पेट लिए उस बेचारी पर चढ़े हुए था और अपने चूतड़ों को ऊपर-नीचे करते हुए अपने लंड को अंदर-बाहर किये जा रहा था।

दूसरा मोटा आदमी उस बेचारी के चूचियों को एक हाथ से जोर-जोर से मसल रहा था और अपने दूसरे हाथ से अपने खड़े लंड को सहला रहा था। चूचियों को मसलने वाला आदमी मेरे क्षेत्र का बदमाश नेता था, जब मैंने उसे गौर से देखा तो पता चला।

चोदता आदमी शायद उसका दोस्त होगा।

मैंने मन ही मन उस नेता को गाली देने लगा ‘साला ! चूतिया ! क्षेत्र का काम तो ठीक से करता नहीं है और यहां आकर बहुत अच्छे से अपने खड़े लंड पर ताव दिए जा रहा है।’

मेरा ध्यान उस लड़की पर गया। आह … आह … उसके नंगे बदन को देखकर मेरे बदन में आग लग रही थी। उसके दो बड़े-बड़े बूब्स को अपने हाथों से मसलने का दिल कर रहा था। मेरा रोम-रोम उसके गोरे नंगे बदन को देखकर उत्तेजित हो रहा था।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये …

Other stories you may be interested in

तीन पत्ती गुलाब-15

रात्रि भोजन (डिनर) निपटाने के बाद मधुर ने मेरी ओर इशारा करते हुए गौरी को समझाया- आज से सर तुम्हें नियमित रूप से रात को अंग्रेजी पढ़ाया करेंगे। मैं रसोई में तुम्हारी मदद कर दिया करुँगी. काम को जल्दी निपटा […]
Full Story >>>

भाई को पिलाया अपनी चूत का पानी

दोस्तो, मैं रूपा, आपकी सेक्सी दोस्त। आज मैं आपको बताने जा रही हूँ, एक बड़ी अजब सी बात, जो शायद आपने कभी सुनी न होगी। ये बात अभी कुछ दिन पहले की ही है। मेरी पहली कहानी कामवासना पीड़िता के […]
Full Story >>>

देवर भाभी की प्यारी सी गर्म चुदाई

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा प्यार भरा नमस्कार। दोस्तो, मैं इस साइट का दस वर्षों से नियमित पाठक हूँ और तहेदिल से इस साइट और लेखकों का शुक्रगुजार हूँ क्योंकि इसकी कहानियों ने मुझे कामकला में पारंगत बनाया है. […]
Full Story >>>

मेरी फर्स्ट टाइम सेक्स की कहानी

मेरी फर्स्ट टाइम सेक्स की कहानी में पढ़ें कि मैं अपने कॉलेज के दोस्त के साथ अपने घर में पढ़ाई करती थी. एक बार मैंने उसके फोन में पोर्न क्लिप देख लिया तो … मेरा नाम तान्या है और मैं […]
Full Story >>>

क्सक्सक्स स्टोरी : रिश्तों में चुदाई स्टोरी-10

कहानी के पिछले भाग में बहू ने अपने ससुर को अपनी चूत चुदाई से मना कर दिया तो वह सीधा अपनी बेटी कमरे में चला गया. वहां उसने देखा कि उसकी बेटी ज्योति अंदर बाथरूम में नहा रही थी. वह […]
Full Story >>>